

प्रेषक,

श्याम सिंह,  
अनुसचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,  
पर्यटन निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग:

देहरादून दिनांक ०३ जुलाई, 2009

विषय:-केन्द्रीय वित्त पोषित योजना के अन्तर्गत पर्यटन नेटवर्किंग योजना हेतु अवशेष केन्द्रांश की समस्त अवशेष धनराशि अवमुक्त किये जाने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-771/VI/2005-5(पर्य0)97, दिनांक 08 अगस्त, 2005 तथा आपके पत्र संख्या-32/2-6-502/2004/2009, दिनांक 30 अप्रैल, 2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय केन्द्र पोषित योजना के अन्तर्गत रू0 100.00 लाख की लागत के विपरीत केन्द्र सरकार द्वारा अवमुक्त रू0 40.00 लाख के अतिरिक्त स्वीकृत हेतु अवशेष केन्द्रांश रू0 10.00 लाख (रूपये दस लाख मात्र) की धनराशि को व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3- शासनादेश की अन्य शर्तें यथावत रहेंगी।

4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2010 तक पूर्ण उपयोग कर वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को भी यथासमय प्रेषित कर दिया जायेगा।

7- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-02-पर्वतीय क्षेत्र में यात्रा व्यवस्था हेतु आधारभूत सुविधाओं का निर्माण-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

8- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-195/XXVII(2)/2009, दिनांक 01 जुलाई, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(श्याम सिंह)  
अनुसचिव।

संख्या- 821 / VI / 2009-5(पर्य0)97 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त, कुमाऊँ मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, नैनीताल।
- 5- वित्त अनुभाग-2,
- 6- सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(श्याम सिंह)

अनुसचिव।